Roll No. ……..

MAHL–204

तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य

M. A. Hindi (MAHL–12/16)

Second Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. तुलनात्मक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियों की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए।
3. कुमाउनी लोकगीतों के इतिहास एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
4. गढ़वाली लोक साहित्य के क्रमिक विकास की विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. तुलनात्मक साहित्य की व्यापकता पर प्रकाश डालिए।
2. भारोपीय भाषा-परिवार पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
3. गढ़वाली नाट्य-साहित्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
5. गढ़वाली लोकगीतों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
6. 'शतक साहित्य' से आप क्या समझते हैं ? तेलुगु साहित्य के आलोक में वर्णन कीजिए।
7. द्रविड़ भाषा-परिवार पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. गुजराती साहित्य के काल-विभाजन पर एक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए :

1. व्यास ने वेदों का रचनाकाल सृष्टि के प्रारम्भिक चरण को माना है।

2. जगन्नाथदास की भागवत को उड़िया की बाइबिल कहा गया है।
3. ब्राह्मी लिपि की आठ शैलियाँ प्रचलित हैं।
4. कश्मीरी पूर्वोत्तर की भाषा है।
5. मिजो तिब्बती भाषा परिवार की भाषा है।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. मागधी का संबंध ..... भाषा परिवार से है।
7. गौर्दा का पूरा नाम ..... है।
8. 'ब्रिटिश गढ़वाल गजेटियर' के लेखक ..... हैं।
9. पुराने लोक विश्वासों, पौराणिक कथा एवं गाथाओं को ..... साहित्य कहा जाता है।
10. 'बुल्लेशाह' का वास्तविक नाम ..... था।